पांच जिलों में पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे डेयरी प्लांट

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुग्ध उत्पादन, संग्रह आदि को लेकर हुई बैठक में दिए निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, आजमगढ़ और प्रयागराज में स्थापित किए जाएंगे डेयरी प्लांट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की सहकारी दुग्ध समितियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को लाभकारी मूल्य दिलाना और आम लोगों को गुणवत्तायुक्त दूध व अन्य डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। वह सोमवार को लोकभवन में दुग्ध उत्पादन, संग्रह व योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध समितियों ने दुग्ध उत्पादन, संग्रह, विक्रय आदि में बेहतर कार्य किया है। इससे पशुपालकों की आय बढ़ी है। इस क्षेत्र में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर संघ जैसी संस्थाओं ने बहुत अच्छा कार्य किया है। सभी जिलों में दुग्ध समितियों के गठन को और विस्तार दिया जाए। इसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कानपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, आजमगढ़ और प्रयागराज में पीपीपी मॉडल पर डेयरी प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस पर मंत्रिपरिषद के निर्णयानुसार आवश्यक प्रक्रिया शुरू की जाए।

उन्होंने कहा कि दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए ई-कामर्स पोर्टल भी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में पराग मित्र व ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ऑनलाइन दुग्ध व दुग्ध उत्पादों को बेचा जा रहा है। इस पोर्टल से अब तक 71,068 उपभोक्ता, 89 महिला स्वयं सहायता समूह व 215 पराग मित्र जोड़े जा चुके हैं। इससे लगभग 6 करोड़ रुपये का व्यवसाय किया गया है। उन्होंने इसे और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, दुग्ध आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील आदि मौजूद थे।

गोवंश नस्ल सुधारें

मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य है। नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना के अच्छे परिणाम मिले हैं। अधिकाधिक दुग्ध उत्पादकों को इसका लाभ दिलाया जाए। गोवंश नस्ल सुधार के कार्यक्रमों को बढ़ाने की जरूरत है। विकासखंड पर स्थापित वृहद गोआश्रय स्थल इस कार्य के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

हेल्पलाइन नंबर 1962 का करें प्रचार

सीएम ने कहा कि टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। इस नंबर पर फोन कर पशुपालक कभी भी अपने पशु के लिए चिकित्सक से परामर्श प्राप्त कर सकता है। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, विक्रय, नस्ल सुधार आदि विषयों की संबंधित विभागीय मंत्री साप्ताहिक समीक्षा करें।